हरिया हरिया बागा में,
बोल रे सुवटिया,
भजना की तो लागी,
फटकार मारा सुवटिया,
इंदर गढ़ रो सुवटियो,
चितौड़गढ़ रो सुवटियो।।

ठाकरा की पोल माथे,
बोल रे सुवटिया,
तलवारा की लागी फटकार,
मारा सुवटिया,
इंदर गढ़ रो सुवटियो,
चितौड़गढ़ रो सुवटियो।।

जाटा रा झरोखा माथे,
बोल रे सुवटिया,
जेवड़िया री लागी फटकार,
मारा सुवटिया,
इंदर गढ़ रो सुवटियो,
चितौड़गढ़ रो सुवटियो।।

घांचीया की घाणीया माथे,
बोल मारा सुवटिया,
तेलिया रा त्रिपोलिया माथे,

बोल मारा सुवटिया,
लाठ की तो लागे फटकार,
मारा सुवटिया,
इंदर गढ़ रो सुवटियो,
चितौड़गढ़ रो सुवटियो।।

मालिया के बगीचा माथे,
बोल मारा सुवटिया,
फूला की तो लागी फटकार,
मारा सुवटिया,
इंदर गढ़ रो सुवटियो,
चितौड़गढ़ रो सुवटियो।।

अजमेरो तो गायो सुवटियो,
घांची ललित लहरियो,
गायो सुवटियो,
इंदर गढ़ रो सुवटियो,
चितौड़गढ़ रो सुवटियो।।

प्रेषक
गायक- घांची ललित लहरिया मेड़ता,
गजेंद्र अजमेरा 09829253446,8875214960

Source: https://www.bharattemples.com/hariya-hariya-baga-ma-bole-re-suvatiya/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw